Prepp

Practice, Learn and Achieve
Your Goal with Prepp

UGC NET Exam

Dogri

Simplifying
Government Exams

SSC CHSL | IAS EXAM | RRB NTPC | NTSE | CDS
SSC CGL | CBSE UGC NET | IBPS PO | NDA
SBI PO | IBPS CLERK | AFCAT | SSC JE | CTET
CSIR UGC NET | CAPF | IBPS RRB

www.prepp.in

PAPER-II
DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. [ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ]
(In figures as per admission card)

Roll No.___________________________________
(In words)

J 3 3 1 4

Time : **1 $^1/_4$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **12** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

DOGRI
डोगरी
Paper – II
प्रश्नपत्रिका – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : इस पेपर च **पंजाह् (50)** मते विकल्पी सुआल न । हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न । **सभनें** सुआलें दे परते देओ ।

1. वाणी –

(अ) पुनरुक्ति ऐ ।

(ब) स्थूल ऐ ।

(स) प्रभाव ऐ ।

(द) संपादन ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) कोह्दे	(i) अन्य पुरश सर्वनाम
(ब) कैह्दे	(ii) प्रश्नवाचक प्राणीसूचक सर्वनाम
(स) ओह्दे	(iii) निश्चयवाचक सर्वनाम
(द) एह्दे	(iv) प्रश्नवाचक अप्राणीसूचक सर्वनाम

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

3. स्थान, काल, रीति ते परिमाण – क्रिया-विशेशनें दे इस क्रम मताबक हेठ दित्ते दे शब्दें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) जोरें-जोरें (ii) कदें बी

(iii) कुतै ते (iv) दनां क

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (ii) (iii) (i) (iv)

(C) (iv) (i) (ii) (iii)

(D) (iii) (ii) (i) (iv)

4. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A डोगरी च 'छ' ते 'श' बक्ख-बक्ख ध्वनिग्राम न ।

R 'छक्क' ते 'शक्क' उच्चरने कन्नै अर्थें च कोई फर्क सेही नेईं होंदा इसलेई एह् बक्ख-बक्ख ध्वनिग्राम हैन ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(B) R कथन गल्त ऐ ।

(C) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(D) R स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

5. इं'दे च विकल्पसूचक समावेशक समुच्चयबोधक अव्यय ऐ –

(A) ते फ्ही बी (B) गै नेईं-बी

(C) जां फ्ही (D) नां गै

6. स्त्रीलिंग –

(अ) इक व्याकरणिक कोटि दा भेद ऐ ।

(ब) आस्तै नामपदें च रूपायन होंदा ऐ ।

(स) आस्तै क्रियापदें च रूपायन नेईं होंदा ।

(द) आस्तै सर्वनामें च रूपायन होंदा ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (ब) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) बखला आदमी	(i) संज्ञा
(ब) उ'न्नै मिगी बखला समझेआ ।	(ii) विशेशन
(स) बखलें गी केह् हमदर्दी ऐ ।	(iii) कर्तृपूरक
(द) हून सब बखले होई गे ।	(iv) कर्मपूरक

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

8. संज्ञा, सर्वनाम, विशेशन ते क्रिया-विशेशन, शब्द-भेदें दे इस क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ते दे शब्दें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ –

(i) आपूं (ii) अपने आप

(iii) अपना (iv) अपनापन

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (ii) (i) (iv) (iii)

(C) (iv) (i) (iii) (ii)

(D) (iii) (i) (iv) (i)

9. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A पाणिनी दे व्याकरण ग्रंथ दा नांऽ 'अष्टाध्यायी' ऐ ।

R पाणिनी च 3940 सूत्र न इस करियै इसदा नांऽ 'अष्टाध्यायी' तर्क संगत ऐ ।

(A) R कथन A कथन दी स्हेई व्याख्या करा करदा ऐ ।

(B) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

(C) R कथन गल्त ऐ ।

(D) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

10. जिस विदेशी विद्वानै नागरी लिपि दा प्रचार कीता, उसदा नांऽ ऐ –

(A) जूल ब्लाक (B) आर. ऐल्ल. टर्नर

(C) मैक्समूलर (D) हॉकेट

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click Know More

11. 'नमीं अजादिये' कविता –

(अ) दे रचनाकार राम नाथ शास्त्री न ।

(ब) वेदपाल दीप न ।

(स) मधुकण पुस्तक च छपी दी ऐ ।

(द) प्रातकिरण पुस्तक च छपी दी ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

12. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2
(अ) हरदत्त	(i)	वेदांत
(ब) स्वामी ब्रह्मानंद	(ii)	धार्मिक ते समाजी विशे
(स) सुरेंदर सिंह मन्हास	(iii)	गूढ़ भाव ते ठेठ भाशा
(द) वीरेंद्र केसर	(iv)	हास्य-व्यंग

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(C)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

13. खोज इक कविता दी, खलार, चाननी दी कनसोऽ ते जीवन लैह्रां – पुस्तकें दे इस क्रम मताबक हेठ दित्ते दे इं'दे रचनाकारें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) ओम विद्यार्थी

(ii) तारा स्मैलपुरी

(iii) अभिशाप

(iv) अरविंद

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (ii) (iii) (i) (iv)

(C) (iv) (iii) (i) (ii)

(D) (iii) (ii) (i) (iv)

14. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A इक्कीमीं सदी दी डोगरी काव्य-रचना च कविता दे बक्ख-बक्ख रूपें बक्खी कवियें दा रुझान बधेआ नेईं बल्के सिर्फ गज़ल गै मती लखोई ऐ ।

R इक्कीमीं सदी दे पैह्ले द्हाके च डोगरी दे काव्य-साहित्य च दोहा, चमुखा, कुंडली, पंज-सतरी रूप, लम्मी कविता, उक्तियां, हाइकू वगैरा केईं काव्य-रूपें दी आमद होई ऐ ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(B) R कथन गल्त ऐ ।

(C) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(D) R स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई नेईं ऐ ।

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

15. इं'दे चा इक-तुकी कविता ऐ –

(A) तंदा (B) परतां

(C) खुहे दे डिड्डू (D) घर

16. असली वारस –

(अ) इक क्हानी-संग्रैह् ऐ ।

(ब) इक एकांकी-संग्रैह् ऐ ।

(स) दे लेखक वेद राही न ।

(द) दे लेखक राज राही न ।

(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (द) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) कोले दियां लीकरां	(i) 1970
(ब) खाल्ली गोद	(ii) 1971
(स) बदनामी दी छां	(iii) 1973
(द) हाशियें दे नोट्स	(iv) 1959

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

18. छत्र पाल, रत्न केसर, कृष्णा प्रेम ते उषा व्यास – लेखकें दे इस क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ती दियें रचनाएं दा स्हेई क्रम बनदा ऐ –

(i) दिर थुआढ़ी

(ii) चेता

(iii) खीरला गुलदस्ता

(iv) पानी आया, पानी गेआ

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (ii) (iii) (i) (iv)

(C) (iv) (i) (iii) (ii)

(D) (iii) (ii) (iv) (i)

19. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A डोगरी क्हानी दी बंड अक्सर सन् 70 शा पैह्ले दी डोगरी क्हानी ते सन् 70 दे बाद दी डोगरी क्हानी दे रूपै च कीती जंदी ऐ ।

R 1970 दे द्हाके दे बाद बी डोगरी क्हानी दे कथ्यें ते शैली च कोई फर्क नेईं आया, इस लेईं एह् बंड मनासब नेईं ।

(A) R कथन A कथन दी स्हेई व्याख्या करा करदा ऐ ।

(B) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

(C) R कथन गल्त ऐ ।

(D) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click Know More

20. 'ठंड' दे रचनाकार न –

(A) तारा दानपुरी (B) राजेश्वर सिंह राजू

(C) मनोज (D) मनोज निश्चिंत

21. लक्षमी नारायण हुंदे निबंध न –

(अ) क्षमा करना, धन्नवाद

(ब) कलाजंग

(स) सुर्गपुरी भद्रवाह

(द) जक्को-तक्के

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2	
(अ)	भागें दे फेर	(i)	कृष्ण लाल वर्मा
(ब)	भागरेखा	(ii)	डॉ. संसार चंद्र
(स)	जेकर नारद होर जम्मू औंदे	(iii)	प्रो. लक्ष्मी नारायण
(द)	मेरी शकार यात्रा	(iv)	प्रो. शक्ति शर्मा

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

23. प्रकाश प्रेमी, नरेंद्र खजूरिया, प्रो. वीणा गुप्ता ते शिवनाथ – निबंधकारें दे इस क्रम मताबक हेठ दित्ते दे निबंधें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) नरोआ तन, नरोआ मन

(ii) मां दुर्गा

(iii) रिव्यूअर दे रिमार्क्स

(iv) इक सफर सुहाना

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (ii) (iii) (i) (iv)

(C) (iv) (i) (ii) (iii)

(D) (iii) (iv) (i) (ii)

24. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A निबंधकार दी सुतंतर सूझ ते उसदे सरल सुलझे दे, पर जानदार विचार सुंदर हारै दे फुल्लें आह्ला लेखा गुंदे दे होने करी इक श्रेष्ठ निबंध दे रूप च पाठकें गी मोहत करी छोड़दे न ।

R शायद इस्सै करी बाबू गुलाब राय होरें गलाए दा ऐ – दिल से जो बात निकलती है असर रखती है ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(B) R कथन गल्त ऐ ।

(C) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(D) R स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click Know More

25. डोगरी च जेह्ड़े सिर्फ गद्य-लेखक दे तौर पर जान्ने जंदे न, उं'दा नांऽ ऐ –

(A) ओम गोस्वामी (B) केदारनाथ शास्त्री

(C) तारा स्मैलपुरी (D) कुंवर वियोगी

26. अयोध्या नाटक –

(अ) परंपरावादी सोच उप्पर अधारत ऐ ।

(ब) विशाल द्रिश्टीकोण प्रगट करदा ऐ ।

(स) रूढ़िगत विचारधारा दा खंडन करदा ऐ ।

(द) रिश्ते-नातें च द्रेड़ पांदा ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

27. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) डाक घर	(i) देवी
(ब) मल्लिका	(ii) अनुसूया
(स) शकुंतला	(iii) विलोम
(द) बलिदान	(iv) बदलू

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

28. जगीरदारी प्रथा दी नखेधी, न्यांऽ, लोक-तत्वी चमत्कार ते मध्यवर्गी आर्थिक स्थिति – विशें दे इस क्रम मताबक हेठ दित्ते दे नाटकें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) सरपंच

(ii) मंडलीक

(iii) जीने दी कैद

(iv) ढौंदियां कंधां

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (ii) (iii) (i) (iv)

(C) (iv) (i) (ii) (iii)

(D) (iii) (ii) (i) (iv)

29. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A रंगमंची नाटकें ते रेडियो नाटकें च फर्क सेही नेईं होंदा ।

R रेडियो नाटक आस्तै सिर्फ श्रोताएं दी लोड़ होंदी ऐ ते रंगमंची नाटकें आस्तै दर्शकें दी ।

(A) R कथन गल्त ऐ ।

(B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(C) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(D) R स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click Know More

30. पौराणिक कथा पर आधारत नाटक ऐ –

(A) सरकार (B) देवयानी

(C) त्रिफला (D) काल चक्कर

31. आदर्शवादी साहित्य

(अ) दुएं दे कल्याण दी सोच रखदा ऐ ।

(ब) जीवन दे सनैह्रे पक्खें दी चर्चा करदा ऐ ।

(स) जीवन दियें समस्याएं दी तर्जमानी करदा ऐ ।

(द) समाजिकता गी म्हत्ता दिंदा ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) रस	(i) अलंकार
(ब) जो-जो जोगी जंगम लभदा	(ii) विश्वनाथ
(स) विशिश्ट पद-रचना	(iii) वक्रोक्ति
(द) विचित्र अभिधा	(iv) रीति

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

33. भामह, दंडी, वामन ते भरत मुनि – काव्य-शास्त्रियें दे इस क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ते दे ग्रंथथें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) काव्यालंकार सूत्र

(ii) काव्यालंकार

(iii) काव्यादर्श

(iv) नाट्य शास्त्र

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (ii) (iii) (i) (iv)

(C) (iv) (i) (ii) (iii)

(D) (iii) (ii) (iv) (i)

34. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A किश विद्वान 'रस' गी इक अलंकार मनदे न ।

R एह् संप्रदाय अलंकारवाद दा हामी ऐ ते इं'दा गलाना ऐ जे रस कन्नै काव्य सुंदर बनदा ऐ ।

(A) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(C) R कथन गल्त ऐ ।

(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

35. 'जि 'यां आखो' दा प्रयोग होंदा ऐ –

(A) उपमा अलंकार च ।

(B) उत्प्रेक्षा च ।

(C) दृष्टांत च ।

(D) रूपक च ।

36. गाथा –

(अ) गद्य रचना होंदी ऐ ।

(ब) परंपरागत गाई जाने जोग रचना होंदी ऐ ।

(स) पद्यात्मक कथानक प्रधान रचना होंदी ऐ ।

(द) गद्यात्मक कथानक प्रधान रचना होंदी ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) अकली दा चमत्कार	(i) बार
(ब) मियां डीडो	(ii) लोक-गीत
(स) लोहानी	(iii) नीति-कत्थ
(द) गेरी, कोले ते मकोल	(iv) लोक-चित्रकला

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

38. लोक-नाच, मुहावरा, खोआन ते संस्कार – इंदे इस क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ते दे शब्दें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) जनेऊ

(ii) कोड़ी खाना

(iii) फुम्मनी

(iv) चोरें दे गोआह् मोर ।

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (ii) (iii) (i) (iv)

(C) (iv) (i) (ii) (iii)

(D) (iii) (ii) (iv) (i)

39. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A परी-कत्थें च कीड़े-मकोड़े गै पात्तर होंदे न ।

R इसलेई इं'दे च जैदातर दुनियादारी दियां गल्लां ते दलेरी दे कारनामें वर्णत होंदे न ।

(A) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(C) R कथन गल्त ऐ ।

(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click Know More

40. बसोह्ली कलम –

(A) लोक-चित्रकला दा रूप ऐ ।

(B) बंझे दी बनदी ऐ ।

(C) मोरै दे फंधे दी बनदी ऐ ।

(D) चित्रकला दी इक शैली ऐ ।

41. काव्यानुवाद –

(अ) साहित्येत्तर अनुवाद दे वर्ग च औंदा ऐ ।

(ब) मुश्कल जरूर ऐ पर नांमुमकन नेईं ।

(स) च सारें शा मती समस्या कला-पक्ख मूजब औंदी ऐ ।

(द) कोई मुश्कल नेईं होंदा ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (द) ठीक न ।

(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

42. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) बचाने आह्ला कोह्का	(i) 1815
(ब) धर्म पुस्तक	(ii) 1818
(स) श्रीमद् भगवद् गीता दा डोगरी अनुवाद	(iii) 1826
(द) राजौली	(iv) 1934

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

43. अनुवाद-प्रक्रिया दे स्हाबें हेठ दित्ते दे चरणे दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) पठन

(ii) अंतरण

(iii) विश्लेशन

(iv) पुनर्सृजन

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (i) (iii) (ii) (iv)

(C) (iv) (ii) (iii) (i)

(D) (iii) (ii) (iv) (i)

44. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A अनुवाद पुलै दा कम्म करदा ऐ ।

R अनुवाद भाशाएं गी कोल आह्नदा ऐ, अनुवाद राहें बक्ख-बक्ख भाशाएं दे माध्यम राहें बक्ख-बक्ख संस्कृतियें बारै जानेआ जाई सकदा ऐ ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(B) R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(C) R कथन स्हेई नेईं ऐ ।

(D) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

45. डोगरी च अनूदित उपन्यास 'गोट्या' दे मूल लेखक न

(A) मा. घु. ताम्हनकर

(B) ना. घो. ताम्हनकर

(C) ना. घी. ताम्हनकर

(D) ना. घो. ताम्हसक

46. रेडियो जनसंचार दा –

(अ) व्यक्तिगत माध्यम नेईं ऐ ।

(ब) सार्वजनक माध्यम ऐ ।

(स) इलैक्ट्रानिक माध्यम ऐ ।

(द) आधुनिक माध्यम ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) ध्वनि ते द्रिश्श	(i) प्रिंट मीडिया
(ब) सैंख	(ii) लोक-माध्यम
(स) मीडियम वेव	(iii) टी.वी.
(द) इशतेहार	(iv) रेडियो

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

48. अखबार-छपाई दी प्रक्रिया च जि'नें मुक्ख-मुक्ख चरणें दा पालन कीता जंदा ऐ, उंदा स्हेई क्रम ऐ –

(i) खबरें दा संपादन

(ii) अखबारें दी छपाई

(iii) खबरें दी तलाश

(iv) खबरें दा लेखन

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (ii) (iii) (i) (iv)

(C) (iii) (iv) (i) (ii)

(D) (iii) (i) (iv) (ii)

49. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A दूर-दर्शन सिर्फ मनोरंजन गै नेईं करदा ऐ सगुआं समाजी विकास प्रति अपनी देनदारी गी बी बखूबी नभांदा ऐ ।

R दूर-दर्शन उप्परा हर वर्ग, हर पीढ़ी ते हर खेतर कन्नै सरबंधत कार्यक्रम प्रस्तुत कीते जंदे न ते एह् कार्यक्रम समाजी विकास च सहायक सिद्ध होंदे न ।

(A) R कथन गल्त ऐ ।

(B) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(C) R अपने थाह्रै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

(D) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

50. जम्मू प्रभात दा प्रकाशन शुरू होआ हा –

(A) 17 दिसंबर 2007 गी ।

(B) 18 दिसंबर 2007 गी ।

(C) 19 दिसंबर 2008 गी ।

(D) 17 नवंबर 2007 गी ।

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

Prepp

Latest Sarkari jobs, Govt Exam alerts, Results and Vacancies

- Latest News and Notification
- Exam Paper Analysis
- Topic-wise weightage
- Previous Year Papers with Answer Key
- Preparation Strategy & Subject-wise Books

To know more **Click Here**

www.prepp.in